12-3-25 पत्रावली पेश हुई उभय पक्ष उपस्थित प्रकरण मे वकील वादी द्वारा प्रा॰पत्र आदेश 22 नि॰4 जा॰दी॰का पेश किया। उकत प्रा॰पत्र मे मृतक प्रतिवादी स॰8 रामेश्वर की मृत्यु होना बताया है किन्तु मृत्यु दिनांक प्रा॰पत्र मे कही अंकित नही कि गई है और न ही मृत्यु प्रमाण व शपथ पत्र सलंग्न किया है। प्रकरण का अवलोकन करने पर पत्रावली मे प्राप्त प्रतिवादी स॰8 रामेश्वर के सम्मन पर तामील कुनिन्दा कि रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवादी स॰8 रामेश्वर कि मृत्यु तीन वर्ष पूर्व होना बताया है। जबकि दावा दिनांक 12-8-24 को इस न्यायालय मे पेश किया गया है। प्रकरण मे वादी को मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का पूर्व मे अवसर दिया गया था। किन्तु फिर भी मृत्यु प्रमाण पत्र पेश नही किया और ना ही वकील वादी ने अपने प्रा॰पत्र मे विलम्ब से पेश करने का कारण व मृत्यु प्रमाण पत्र पेश नही करने का कारण अपने प्रा॰पत्र मे अंकित नही किया गया है। ऐसी स्थिति मे दावा मृतक के विरुद्ध पेश करने का माना जाकर वाद वादी का खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

Sd/-